स्वयंवर का सच-2

“लेखक : प्रेम गुरु और अरमान मैंने झट से अपने कपड़े उतार दिए और फिर राखी के सारे गहने उतार दिए ताकि कोई परेशानी ना हो। उसके बाद मैंने उस के गालों पर एक छोटा और प्यार सा किस किया । वो तो बिलकुल भी नहीं शरमा रही थी। चोली के अन्दर मोटे ताजे दो […] ...”

Story By: prem guru (premguru2u)
Posted: Saturday, December 26th, 2009
Categories: चुदाई की कहानी
Online version: स्वयंवर का सच-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

स्वयंवर का सच-2

लेखक : प्रेम गुरु और अरमान

मैंने झट से अपने कपड़े उतार दिए और फिर राखी के सारे गहने उतार दिए ताकि कोई परेशानी ना हो। उसके बाद मैंने उस के गालों पर एक छोटा और प्यार सा किस किया । वो तो बिलकुल भी नहीं शरमा रही थी। चोली के अन्दर मोटे ताजे दो कबूतर कैद थे मानो बोल रहे हो हमें यहाँ से आजाद कर दो हमारा दम घुट रहा है। यहाँ पर मैंने ऐसा नहीं किया और राखी को किस करने लगा और एक हाथ से उसके ब्रा में कैद स्तनों को दबाने लगा जिससे वो गर्म हो रही थी और मुंह से सिस्कारियों की आवाज़ निकल रही थी,”ह्म्म्म्म… आहाह्ह् हन्न्न्न्न्न…. बड़ा मज़ा आ रहा है ….”

करीब दस मिनट तक किस करते हुए मैं उसके वक्ष भी दबाता रहा जिससे वो पूरी तरह से गर्म हो चुकी थी। अब मैंने उसका साया भी निकाल दिया और अब वो केवल पैंटी और ब्रा में थी। साली के क्या मस्त चूतड़ थे। मोटे मोटे फुटबाल हो जैसे। मैं जानता हूँ कि यह राखी एक नंबर की फुद्दैड़ रांड है तभी तो इतने मस्त झकास चूतड़ हैं, लगता है साली जरूर गांड मरवाने की भी शौकीन है।

मैंने उससे कहा,”राखी तुम बहुत सुन्दर हो, तुम्हारा हर अंग खुदा ने बड़ी ही फुर्सत में तराशा है जिसमें एक भी दाग नहीं है। मैं बहुत किस्मत वाला हूँ जो मुझे तुम मिली !”

“ओह …. बाबा अब तुम नौटंकी छोड़ो और जल्दी से मेरी चूत का ख़याल करो, कब से वो लंड लेने को तरस रही है !”

अब मैंने राखी की ब्रा और पैंटी भी उतार दी और उसके बूब्स को पीने लगा उसके वो लाल

लाल घुंडी तो (अंगूर के दाने की जितनी) मस्त कर देने वाली थी। उसके एरोला का गुलाबी घेरा देख कर तो मैं मदहोश ही हो गया था। मैंने एक हाथ से उसकी चूत को टटोला और एक अंगुली उसकी चूत में डाल दी । हाय … साली ने चूत को एक दम टिच्च कर रखा था। उसकी चूत पहले से ही गीली हो चुकी थी। ऊँगली आराम से अन्दर बाहर हो रही थी मैंने फिर दूसरी अंगुली भी पेल दी दी और उसकी चूत को चोदने लगा वो बार बार अपना हाथ मेरे लंड की तरफ ले जा रही थी लेकिन मैंने अभी तक अपनी चड्डी नहीं उतारी थी। दरअसल मैं उसे इतना तडफाना चाहता था कि वो खुद ही मेरे लंड पर बैठ जाए। मैंने करीब 10 मिनट तक उसका दूध पिया और चूत को ऊँगली से चोदता रहा जिससे वो एक बार झड़ चुकी थी और उसका पानी मेरे हाथों पर था उसके बाद मैंने अपनी चड्डी उतारने के लिए राखी को कहा।

राखी घुटनों के बल बैठी थी अब उसने अपने नाजुक हाथों से मेरी चड्डी एक ही झटके में नीचे कर दी। गोली खाने से मेरा लंड तो पहले से ही बम्बू बना था बाहर आते ही उसने राखी को सलाम ठोका और सावधान हो गया किसी फौजी जनरल की तरह। उसने बिना कुछ कहे पहले मेरे लंड को चूमा और टोपे को नीचे करके लंड को लोलीपोप की तरह चाटने लगी मुझे भी गर्माहट आने लगी। मैं उसका मुंह चोद रहा था और वो भी एक रांड की तरह मेरा लंड चूस रही थी।

चूसे भी क्यूँ ना ! अभिषेक का लंड बहुत चूसा होगा तभी तो मेरा भी चूस रही थी। करीब 15 मिनट में मेरा माल निकलने को हुआ तो मैंने कहा- मेरा निकलने वाला है !

उसने कहा,”मैं इतनी देर से मेहनत कर रही हूँ उसका कुछ तो फल मिलना चाहिए !”

और वो तेज़ तेज़ चूसने लगी। मैं भला कितनी देर अपने आप को रोक पाता। मेरे लंड ने दनादन पिचकारियाँ छोड़नी शुरू कर दी। राखी सारा का सारा पानी पी गई एक भी बूंद नीचे नहीं गिरने दी। यही होती है पक्की रांड की पहचान। लेकिन मैं कुछ बोला नहीं क्यूंकि

मेरे दिल में कुछ और ही चल रहा था। वो आप सभी पाठक और पाठिकाएं अंत में समझ जाओगे।

अब तक हमें आधा या पौन घंटा तो हो ही गया था। मैंने उसे फिर से बेड पर लिटाया और उसके ऊपर लेट गया और किस करने लगा। एक हाथ चूची पर था और एक हाथ उसकी चूत पर। फिर धीरे धीरे नीचे आते हुए स्तन को पीते हुए चूत तक आ गया मैंने राखी की चूत पहली बार देखी थी। उसकी चूत बहुत ही चिकनी थी। होंठ जरूर थोड़े काले थे पर थे मोटे मोटे। साली के ऊपर और नीचे के दोनों ही होंठ एक जैसे ही थे बस रंग का फर्क था। ऊपर वाले लाल और नीचे वाले काले।

पहले मैंने उसकी चूत के होंठों को चूमा और फिर चूत को चाटने लगा। अचानक हुए इस काम से वो चिहुंक उठी और सिसकने लगी,"ह्म्म्माम्म्म…. आआआआअहहहन…. और जोर से हाआआअन…. एसीईई हीईईइ… अब डाल भी दो क्यूँ तड़पा रहे हो !मुझ से अब रूका नहीं जा रहा !मेरी चूत में कुछ हो रहा है !जल्दी से डाल दो नहीं तो मर जाउंगी।"

अभी इतनी जल्दी भी क्या है रानी अभी तो बहुत टाइम है अपने पास। और मैंने 69 की पोजीशन में आकर उसके मुंह में फिर से अपना लंड डाल दिया। मेरा लंड अब फिर फुफ़कारें मारने लगा था।

"हाँ अब ठीक है !"

"क्या ठीक है ?"

"यही कि अब मेरा शेर तैयार है एक बार झड़ चुका हूँ, देर तक तुम्हारी चूत को चोद सकता हूँ !"

अब उसको यह थोड़े ही बताता कि मैंने तुझे चोदने के लिए और भी कुछ किया है।

“तुम तो बहुत एक्सपर्ट लगते हो चुदाई में ?”

“हाँ यह बात तो तुमने सच कही !”

“5-7 तो मैं भी ….. ?”

“रुक क्यूँ गई बोलो ना ?”

“कुछ नहीं !”

“अरे बोलो भी मुझे कोई प्रॉब्लम नहीं है !”

“अरे मैं कह रही थी कि मैं भी कम एक्सपर्ट नहीं हूँ इन बातों में !”

“अरे वाह … फिर तो मज़ा ही आ जाएगा ! अच्छा प्लीज बताओ ना कितने लंड ले चुकी हो अब तक ?”

“4-5 बार अभिषेक ने और एक बार चीका ने चोदा था और जब मुझे कोई काम नहीं दे रहा था तो 3-4 प्रोडचूसर्स से भी चुदना पड़ा था। वैसे मैं तो बचपन में ही खेली खाई हुई हूँ, अपने मौसा और जीजा से चुद चुकी हूँ ।”

“राखी ! क्या तुमने कभी गधापच्चीसी भी खेली है ?”

“क्या मतलब… यह क्या होती है रे बाबा ?”

“वो … वो .. मैं ???”

“अबे क्या मैं मैं बकरी की तरह मिमिया रहा है साफ़ बोल ना ?”

“मेरा मतलब था क्या कभी गांड भी मरवाई है ?”

“ओह्हो …. अरे नहीं यार …. ये मुझे अच्छा नहीं लगता। हाँ एक बार जब मुझे ‘बुड्ढा किधर गया’ फिल्म ऑफर हुई थी तो उसके प्रोडक्यूसर ने शर्त रखी थी कि वो बिना गांड मारे रोल नहीं देगा तो उसके साथ किया था .. बस !” राखी ने इत्मीनान से बताया।

“ओह … ?”

“क्या हुआ ?”

“कुछ नहीं … ?”

“अरे ! मेरे मन मोहन लाल एक दो बार गांड मरवाने से कुछ नहीं बिगड़ता। और उस साले चूतिये की तो ऊपर घिसते इच टीं बोल गई थी। गांड मारने में बड़ा दम चाहिए गांड मारना इतना आसान नहीं है ? समझे मेरे देवदास ?”

“ओह हाँ हाँ … ?” मैंने भी सोच लिया था कि एक बार चूत का ठीक से मज़ा ले लूँ फिर गांड का बाजा भी जरूर बजाऊंगा । अब लाइन क्लियर थी देर करना ठीक नहीं था। मैंने उसे फटा फट ठोकने का मन बना लिया।

अब मैंने उसकी उसकी पैंटी से पहले उसकी चूत को अच्छी तरह से साफ़ करके गांड के नीचे दो तकिये लगाये। फिर मैं कंडोम लगाने लगा तो राखी बोली इसकी ज़रूरत नहीं है मेरा मासिक निकल चुका है। मैंने झट से कंडोम निकाल फेंका और लंड को उसकी सूखी चूत पर रगड़ने लगा, जिससे वो फिर उछलने लगी। दो मिनट के बाद लंड को चूत में डालने की कोशिश की लेकिन लंड अंदर नहीं गया और स्लिप हो गया। 1-2 बार ऐसा ही हुआ तो वो बोली,”क्रीम लगा लो थोड़ी चिकनी हो जायेगी।”

“चिकनी ही करना है तो क्रीम क्यूँ थूक से काम चल जाएगा।” और मैंने अपने लंड पर थूक लगाया और फिर राखी की चूत पर भी थूक लगा कर लंड अन्दर डालना शुरू किया । इस बार लंड चला गया। लेकिन कुछ भी कहो उसकी चूत थोड़ी तंग थी इसलिए उसे दर्द हो रहा था। पर आप तो जानते ही हैं कि जब चोदने की बारी आती है तो मैं दर्द नहीं देखता मज़ा देखता हूँ और देता हूँ। 5 मिनट तक ऐसे ही चोदने के बाद मैंने उसको अपने ऊपर ले लिया। अब वो मेरे ऊपर थी और मुझे चोद रही थी।

उस समय मेरे दिमाग में एक ही बात चल रही थी जिसे सब बिना कपड़ो के नंगा देखने की कल्पना करते हैं और हाथ से काम चलाते हैं वो लड़की आज मुझ से खुद ही चुद रही है। मैं अपने आप को बहुत खुशनशीब समझ रहा था और समझूं भी क्यूँ ना ?

जब वो मुझे चोद रही थी तो उसकी आँखें बंद थी और स्तन सामने झूल रहे थे मैंने उनको हाथो में लिया और दबाने लगा। अब मैंने उसके एक बोबे को मुंह में ले लिया और रशीले आम की तरह चूसने लगा । उसे भी दो तरफा मज़ा आ रहा था, ये उसकी सिसकियों से मालूम पड़ रहा था।

“आआआअह्ह्ह्ह्ह्ह्हाआआह म्म्म्म्म्म्म्म्म्म्म्म्म ऊऊह्ह्मा य्य्य्य्य्य्य्य्य्ईईएआआआ चोद साले चोद !”

ऐसी फुद्दड़ औरतों को सीधी चुदाई में कहाँ मज़ा आता है ? इन्हें तो उल्टा करके या घोड़ी बना कर ठोकना चाहिए तभी खुश होती हैं। सो कुछ देर ऐसे ही चुदाई करने के बाद मैंने उसे डॉगी स्टाइल में होने को कहा तो बिना कुछ बोले कुतिया की तरह पैर फैला कर खड़ी हो गई और अपना सिर तकिये के ऊपर रख लिया। वो शायद वो एक बार फिर झड़ गई थी लेकिन मुझे पता नहीं चला।

अब मैंने उसको पीछे से लंड डाल कर चोदना शुरू कर दिया और एक ऊँगली उसकी गांड

में डालने की कोशिश करने लगा लेकिन गांड तंग होने की वजह से ऊँगली अंदर नहीं जा रही थी। इसके लिए मैंने एक ऊँगली को लंड के साथ ही चूत में डाल दिया और साथ में चोदने लगा। कुछ देर के बाद ऊँगली निकल कर उसकी गांड में डाल दी इस बार थोड़ी देर में गई लेकिन चली गई।

वो बोली,"अबे … अबे… क्या कर रहा है … उईई … मेरी गांड अभी कोरी है इसमें अंगुली मत डालो बहुत दर्द होता है !"

"अरे बावली दर्द नहीं होता, इसमें तो और भी मज़ा आता है !"

"नहीं मुझे पता है इसमें बहुत दर्द होता है !"

"वैसे जानेमन दर्द तो चूत में भी होता है पहली बार जब वहां लंड चला गया तो यहाँ भी चला जाएगा। अच्छा तुम्हे कैसे मालूम है कि गांड में ज्यादा दर्द होता है ?"

"मुझे श्वेता जैन ने बताया था कि एक प्रोडयूसर ने जब उसकी गांड मारी थी तो बहुत दर्द हुआ था।"

"वो साला कोई चूतिया होगा ? उसे ढंग से गांड मारना नहीं आता होगा। तुम चिंता मत करो मैं गांड बाज़ी का भी एक्सपर्ट हूँ। बस तुम अपनी गांड को ढीला छोड़ दो फिर देखो तुम तो इस्स्स्स….कर उठोगी मेरी जान !" मैंने उसे समझाया।

और मैंने चूत में से लंड निकाल कर उसकी गांड के छल्ले पर रख दिया। अब मैंने दोनों हाथों से कसकर उसकी कमर पकड़ी और अपने लंड को धीरे से आगे पुश किया । क्या मस्त टाइट गांड थी साली की । पहली बार में केवल टोपा ही अंदर गया और चिल्लाने लगी "उईई … मा…आ … मर गई …. रे …. अबे साले बहनचोद निकाल बाहर … उईई …. भोसड़ी के अबे … दर्द हो रहा है इसे निकालो मेरी गांड फट जायेगी बहुत दर्द हो रहा

है….”

मैंने उसकी एक भी नहीं सुनी और थोडी देर रुक गया और बूब्स दबाने लगा और किस्स करने लगा 5 मिनट के बाद जब दर्द कुछ कम हुआ तो धीरे धीरे फिर धक्के मारने लगा। अब मैं 4-5 धक्के आराम से और 1 धक्का जोर से लगा रहा था। इससे मेरा पूरा लंड उसकी गांड में चला गया अब उसे भी मज़ा आ रहा था। वो भी मेरा पूरा साथ दे रही थी गांड हिला हिला कर। 10-15 मिनट गांड मारने के बाद वो बोली “मज़ा आ रहा है और जोर से हाँ… शाबास … वैरी गुड ऐसे ही …. और जोर से हाँ और जोर से…” मैं साथ साथ में उसकी चूत में भी अंगुली कर रहा था। उसने एक जोर की सांस ली और ढीली पड़ गई। मुझे लगा वो फिर झड़ गई । मैंने उसकी गांड से अपना लंड बाहर निकाल लिया और उसे सीधा लेटा दिया। अब मेरा भी टाइम आ गया था उसको सीधा लिटा कर उसके पैर ऊपर हवा में उठा लिए और अपना लंड उसकी चुलबुलाती चूत में एक झटके में फिर से ठोक दिया । और 4-5 कस कर धक्के लगा दिए।

“उईई …. माँ आ …. ?” राखी बडबडा रही थी “ओये भोसड़ी के रुक मत जल्दी जल्दी जल्दी आः छ… ओह …. याया …. ईईईइ स्स्स्स्स …..”

“ले मेरी रांड … और ले … और ले …” और मैंने दना दन शोट लगाने शुरू कर दिए।

कोई 5-6 मिनिट बिना रुके मैं अपने लंड को अन्दर बाहर करता रहा। वो तो बस निढाल सी पड़ी आन उन् करती रह गई। और फिर पिछले आधे घंटे से कुबुलाता हुआ लावा फूट पड़ा और गर्म गाढे वीर्य से उसकी चूत लबालब भर गई। और मैं उसके ऊपर ही पसर गया। उसने मुझे कस कर अपनी बाहों में भर लिया ।

अब तक डेढ़ पोने दो घंटे तो हो ही गए थे । मैं तो उसे एक बार और ठोकना चाहता था पर वो साला राम कपूर बाहर हमारा इंतजार कर रहा था बाहर जाना जरुरी था। मैं बाथ रूम

में फ्रेश होने चला गया और जब आकर देखा तो वो अब भी नंगी ही पेट के बल सो रही थी शायद गांड ज्यादा दर्द कर रही होगी ।

मैंने चुपके से अपना मोबाइल निकला और उसके कुछ फोटो खींच लिए । उसे कहाँ पता चलता । अब मैंने उसे उठाया और कपडे पहनने को कहा तो उसने मुझे फिर बाहों में भर लिया और एक किस करते हुए बोली “थैंक यू अरमान मज़ा आ गया यार मैं ऐसा ही पति चाहती हूँ “

मैंने भी उसे थैंक्स कहा और बोला “मैं भी तुम्हारी जैसे ही पत्नी चाहता हूँ “

“तुम भी एक्टिंग अच्छी कर लेते हो ?” वो हंसते हुए बोली

हम कपडे पहन कर बाहर आ गए। वो साला राम कपूर तो हमारा बेशब्री से इंतज़ार कर रहा था और हमारे चहरे को इस तरह देख रहा था जैसे उस पर चुदाई की कोई फिल्म ही चल रही है ? चूतिया साला ?

मैंने राम कपूर से कहा क्या हमें 15 मिनट और मिल सकते हैं ? तो वो बोला ठीक है।

मैंने राखी को कमरे में बुलाया और कहा राखी “एक बात तो तय है तुम मुझ से शादी नहीं करोगी और ना ही मैं ?”

उसने प्रश्नवाचक निगाहों से मुझे देखा

“तो तुमने किसे शादी के लिए चुना है ?”

“अरमान ये बात सही है मैं तुम से शादी नहीं कर सकती हाँ मेरी नज़र में तुम्हारे अलावा दो लड़के है जो मेरे लिए ठीक है … एक तो एलिश है ही और दूसरा है मानश”

“राखी मेरे हिसाब से एलिश ठीक है जैसे तुम चाहती हो वो वैसा ही है तुम उसके साथ खुश रहोगी आगे तुम्हारी मर्ज़ी ?”

“लेकिन मानश का क्या करुँ ?”

“क्यों ?”

“यार मैं डिसाइड नहीं कर पा रही हूँ ?”

“खुल कर बताओ ना ?”

“दर असल एलिश मालदार फुद्दू है और मानश बहुत खूबसूरत है और उसका लंड बड़ा शानदार है पूरा 8 इंच का है … हाई…. क्या मस्त लौंडा है ?”

“तो फिर एक काम करो ?”

“क्या ?”

“मानश के साथ भी एक बार चुदाई करवा लो वो भी खुश हो जाएगा और तुम भी ?”

“हाँ ये ठीक है”

उसके बाद मैं अपने रूम में आ गया और राखी किसी और लौंडे के साथ कमरे में चली गई।

“सच में उस दिन ऐसा लग रहा था राखी कोई रंडी है और बारी बारी से सब को खुश करने जा रही है। और ऐसा हो भी क्यों नहीं … इस बालीवुड में में सब चलता है यार”

“बस मेरी गीता रानी इतनी सी बात थी ” मैंने गीता का चुम्मा लेते हुए कहा

“तुम तो बड़े चुद्दकड़ निकले मैंने तो ऐसा सोचा भी नहीं था ?” गीता बोली “क्या बाद में कभी उस से बात नहीं हुई ?”

“अरे उसका तो रोज़ फ़ोन आता है ?”

“क्या मतलब ?”

इतने में मोबाइल बज उठा । मैंने नंबर देख कर गीता से कहा “लो फिर आ गया ।”

“हाँ जान बोलो ?”

“कहां हो ?”

“बस समझ लो तुम्हारे पास ही हूँ बोलो ?”

“आ जाओ ना ?”

“ओह हाँ अभी आ जाता हूँ “

“प्लीज गीता आज तो तुम आराम करोगी मैं तो सूखा ही रह जाऊँगा” मैंने गीता से कहा

“तो ?”

“प्लीज अगर तुम कहो तो मैं भी गीला हो आऊं ?”

“ओह… तो ये बात है ?” गीता हंसने लगी और फिर बोली “पर मुझे पूरी बात विस्तार से बताना आकर ?”

“हाँ हाँ पक्का ” मैंने उसे किस किया और जल्दी से राखी के बताये होटल की ओर चल पड़ा

क्यों कि आज मुझे कई शिफ्टों में काम जो करना था। ओह नहीं समझे ? अरे भाई मुझे उसकी चूत के साथ साथ आज उसकी दो बार गांड भी तो मारनी थी ना कस कस कर ?

बस आज तो इतना ही बाकी तो कल बताऊंगा कि आज की रात कैसे बीती। आप जानना चाहें तो मुझे मेल करें : अरमान साहिल :

love4girls36_arman@yahoo.co.in

मेरे प्यारे पाठको पाठिकाओं सच बताना कैसा लगा राखी के स्वयंवर का सच ? और अरमान की चुदाई ? आप का दिन शुभ और रात की चुदाई अच्छी हो। आपके मेल्स का मुझे इंतजार रहेगा।

विशेष आग्रह :

इस कहानी पर आप अपने विचार प्रकट करना चाहें तो अन्तर्वासना फोरम के “कहानियों पर आपकी राय” कोलम में जाकर रजिस्टर करके अपनी राय दे सकते हैं। यह बड़ा आसान है। आपको बस अपना नाम, पास वर्ड और मेल एड्रेस देना है, आपका रजिस्ट्रेशन हो जाएगा। उसके बाद आप अपनी राय लिख सकते है जिसे सभी पाठक भी आपकी राय पढ़ सकते हैं।

धन्यवाद सहित

premguru2u@yahoo.com

Other stories you may be interested in

जून 2019 की बेस्ट लोकप्रिय कहानियाँ

प्रिय अन्तर्वासना पाठको जून 2019 प्रकाशित हिंदी सेक्स स्टोरीज में से पाठकों की पसंद की पांच बेस्ट सेक्स कहानियाँ आपके समक्ष प्रस्तुत हैं… सहेली के ससुर से चुद गई मैं- फ्रेंड्स, मेरा नाम अनिषा है. मेरी पिछली सेक्स कहानी मामी […]
Full Story >>>

मम्मीजी आने वाली हैं-4

भाभी ने मुझे अपनी चुत पर से तो हटा दिया मगर मुझे अपने से दूर हटाने का या खुद मुझसे दूर होने का प्रयास बिल्कुल भी नहीं किया। उसकी निगाहे शायद अब मेरे लोवर में तम्बू पर थी इसलिये मैंने […]
Full Story >>>

मम्मीजी आने वाली हैं-2

जब से मैं और पिंकी पकड़े गये थे तब से मैं उनके घर नहीं जाता था, मगर अब तो मैंने उनके घर भी जाना शुरु कर दिया। हालांकि पिंकी की मम्मी यानि स्वाति भाभी की सास मुझे अब भी पसंद […]
Full Story >>>

मेरी सील टूटने वाली चुदाई की कहानी

मेरे प्रिय दोस्तो, नमस्कार! मैं इस साइट की नियमित पाठिका हूँ. मैं मथुरा जिले की रहने वाली हूँ और मेरा नाम मीशी है. मैं आप लोगों से अपने सेक्स का पहला अनुभव शेयर करना चाहती हूं. ये बात तब की […]
Full Story >>>

चिकनी चाची और उनकी दो बहनों की चुदाई-9

मैं आपका ज़ीशान … अब आपके सामने अपनी बिल्कुल सच्ची चुदाई की कहानी का 9वां भाग लेकर हाजिर हूँ. अभी तक आपने पढ़ा कि मैंने हिना आंटी के स्लेव सेक्स को एन्जॉय किया था और उन्होंने मेरे लंड पर कूद […]
Full Story >>>